पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने वित्तीय साक्षरता संगोष्ठी का उद्घाटन किया
विज्ञान एवं तकनीकी के उपयोग से वित्तीय साक्षरता को बढ़ाया जा सकता है -राज्यपाल

लखनऊ: 27 अक्टूबर, 2018

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज जयपुरिया प्रबन्धन संस्थान के प्रेक्षागृह में लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन एवं अवोक इण्डिया फाउण्डेशन द्वारा आयोजित वार्षिक सम्मेलन में 'वित्तीय साक्षरता द्वारा वित्तीय समावेश' विषयक संगोष्ठी का उद्घाटन किया। इस अवसर पर लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के संरक्षक एवं पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश श्री आलोक रंजन, सिक्योरटी एक्सचेंज बोर्ड आॅफ इण्डिया 'सेबी' के अधिशासी निदेशक श्री नरेन्द्र पारख, एच0डी0एफ0सी0 बैंक के कन्ट्री हेड श्री नितिन चुग, अवोक इण्डिया फाउण्डेशन के अध्यक्ष श्री प्रवीण कुमार द्विवेदी, जयपुरिया प्रबन्धन संस्थान की निदेशक सुश्री कविता पाठक सहित अन्य विशिष्टजन उपस्थित थे।

राज्यपाल ने इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि वित्तीय साक्षरता से जहां एक और बैंकिग प्रणाली पर विश्वास बढ़ेगा तो वहीं भ्रष्टाचार पर भी रोक लगेगी। पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने कहा था कि विकास के लिए एक रूपये का केवल 15 पैसा ही लाभार्थियों तक पहुंचता है। वर्तमान प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जन धन योजना लागू करके देश की जनता को बैंकांे में खाता खोलने के लिए प्रेरित किया। सुरक्षा एवं विकास की दृष्टि से लोगों का पैसा घरों में नहीं बैंकांे में होना चाहिए। उन्होंने कहा कि वित्तीय साक्षरता का होना आवश्यक है।

श्री नाईक ने कहा कि विज्ञान एवं तकनीकी के उपयोग से वित्तीय साक्षरता को बढ़ाया जा सकता है। देश में वित्तीय साक्षरता के प्रति जागरूकता से विकास कार्य को नये आयाम मिलेंगे । देश के युवा स्वयं में कुछ नया सीखने की जिज्ञासा जगायें। नया ज्ञान प्राप्त करते रहें क्योंकि सीखने वाला ही आगे बढ़ता है। देश की आजादी के समय देश में खाद्यान की कमी थी और हम विदशों से अनाज आयात करते थे। आज परिस्थितियां बदली हैं, सीमित कृषि योग्य भूमि होने के बावजूद भी अनाज के मामले में हम आत्मनिर्भर हुए हैं और निर्यात की स्थिति में हैं। उन्होंने कहा कि युवा विचार करें कि विश्व स्तर पर भारत की क्या स्थिति है और उसे कैसे आगे बढ़ाने में योगदान किया जा सकता है।

लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन के संरक्षक एवं पूर्व मुख्य सचिव उत्तर प्रदेश श्री आलोक रंजन ने कहा कि पिछड़ेपन को दूर करने के लिए वित्तीय साक्षरता जरूरी है। उन्होंने कहा कि लोगों में वित्तीय साक्षरता आयेगी तो सरकारी योजनाएं अत्यधिक सुचारू रूप से चल सकती हैं।

राज्यपाल ने इस अवसर पर 'एल0एम0ए0 क्रिएटिविटी एण्ड इनोवेशन पुरस्कार-2018' से प्रोफेसर राकेश कपूर निदेशक संजय गाँधी स्नातकोत्तर आर्युविज्ञान संस्थान लखनऊ को, 'एल0एम0ए0 लीडरशिप पुरस्कार-2018' से किरण चोपड़ा प्रबन्ध निदेशक रीटेक रबर प्रोडक्ट्स लिमिटेड को, 'एल0एम0ए0 आउटस्टैंडिग विमेन अचिवर्स अवार्ड' से सुश्री पल्लवी फौजदार को एवं 'एल0एम0ए0 युवा अचिवर्स पुरस्कार' से सुश्री ऊषा विश्वकर्मा को सम्मानित किया। इस

अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य करने के लिये अन्य लोगों को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में सेबी' के अधिशासी निदेशक श्री नरेन्द्र पारख, श्री प्रवीण कुमार द्विवेदी तथा श्री ए0के0 माथुर उपाध्यक्ष लखनऊ मैनेजमेंट एसोसिएशन ने भी अपने विचार रखे। राज्यपाल ने 'कन्वंेशन जर्नल एवं अवोक इण्डिया टाइम्स' का लोकार्पण भी किया।

अंजुम/दिलशाद/राजभवन (411/36)